भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

अप्रैल 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

- *ओडिशा में अप्रैल के द्वितीय पखवाड़े में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा और धीरे-धीरे बढ़ेगा। उच्च तापमान एवं रुक-रुक कर गरज के साथ बौछार के बाद धान के खेतों में भूरा पौध माहू कीटों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। यदि भूरा पौध माहू कीटों की आर्थिक सीमा अर्थात 5-10 कीटें/पूंजा से अधिक है तो खेत को बारी-बारे से गीला करने एवं सुखाते हुए पौधे की सूक्ष्म परिवेश को बदलने की सलाह दी जाती है और लंबे समय तक खड़े पानी नहीं होना चाहिए। यदि समस्या बनी रहती है तो तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली घोल का 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ दर छिड़काव करें या ट्रायफ्लूमेजोपायरिम 10% एससी95 ग्राम/एकड़ या पायमेट्रोजाइन 50% डब्ल्यूजी ग्राम/एकड़ दर से या डीनोटेफ्यूरान 20% एसजी ग्राम/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिलीलीटर/एकड़ या एसीफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए केवल अनुशंसित कीटनाशकों का उचित मात्रा पर उपयोग करें।*
- *यदि गंधी बग की कीटें 2 कीटें/पूंजा से अधिक है तो इथोफेनोप्रॉक्स 10ईसी 200 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें या मालाथियन 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर से सुबह के समय जब हवा बिल्कुल न हो या कम हवा हो, पूरे खेत में एकसमान झाड़ दें।*
- *इल्ली संक्रमण दिखाई देने पर, क्वीनालफास 25ईसी 400 मिली/एकड़ दर से या क्लोरपायरीफास 20ईसी 500 मिली/एकड़ दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर घोल का छिड़काव करें। इसे सुबह के समय फसल के मूल में प्रयोग किया जाना चाहिए।*
- *बीज की फसल के लिए, फूल की अवस्था पर मिश्रित बीजों के पौधों को हटा दें।*
- *दानों के बिखरने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए फसल की बालियां जब 80% तक परिपक्व हो जाएं तो कटाई करें।*
- *भंडारण से पहले चावल के दानों को धूप में 1-2 दिनों के लिए सुखाकर नमी को 14% तक लाया जाना चाहिए।*
- *ग्रीष्मकालीन जुताई वर्षाश्रित निचलीराई क्षेत्रों में की जानी चाहिए, जहाँ सीधे बोए गए चावल उगाए जाने हैं।*
- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों , ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित स्त्रोतों से मध्यम गहरे जल के लिए जैसे वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला और गायत्री जैसी अच्छी एव विश्वसनीय किस्मों तथा गहरा जल वाले क्षेत्रों के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505, सीआर 507 (प्रशांत) जैसी अच्छी एवं विश्वसनीय किस्में चुना जा सकता है।*

- *ऊपरीभूमि सीधी बुआई चावल के लिए, विश्वसनीय स्त्रोतों से सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, अंजलि, खंडगिरि जैसी किस्मों की अच्छी गुणवत्ता वाले बीज जैसे किस्मों को चूनें।*
- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों , ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित स्त्रोतों से उथले निचली वाले प्रतिरोपित चावल के लिए, सीआर धान 307 (मौदामनी), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44, उन्नतशील ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800, सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब 1 और बीपीटी 5204 जैसी अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों जैसे किस्मों को चूनें।*
- *किसानों को तटीय लवण क्षेत्र के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से सीआर धान 405 (लुणा संखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री जैसी लवण सहिष्णु किस्मों को चूनने की सलाह दी जाती है।*
- *सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर उगाने के इच्छुक किसानों को प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज जैसे अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 खरीदने की सलाह दी जाती है।*
- *बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए अचानक आने वाली बाढ़ सहिष्णु किस्मों जैसे स्वर्णा, स्वर्णा सब 1, रणजीत सब-1, बहादुर सब-1, बिनाधान-11 और सांबा महासुरी सब-1 की व्यवस्था करें तथा अर्ध-गहरा जल वाले क्षेत्रों के लिए सीआर 1009 सब-1 जैसे किस्मों को चूनें।*
- *सूखे प्रवण क्षेत्र / उथली निचलीभूमि क्षेत्रों के लिए विश्वसनीय स्त्रोत से सहिष्णु धान की किस्में जैसे डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णश्रेया जैसे किस्मों को चूनें।*